

होलिका दहन के अवसर पर

१०-३-६०

छाया पुरुष सिद्धि साधना

तांत्रिकों के लिए होली का अवसर एक सिद्धिप्रद अवसर माना गया है, और इस राशि को यदि दुर्लभ तांत्रिक साधना भी की जाय तो जीवन में निश्चय ही पूर्ण सिद्धि और सफलता प्राप्त होती है।

ऐसी साधनाओं में छाया पुरुष साधना प्रमुख है जो कि इस बार होलिका दहन की राशि को सम्पन्न की जा सकती है।

एक सारनामिका गोपनीय महत्वपूर्ण और दुर्लभ साधना।

इस बार होलिका दहन १०-३-६० को सम्पन्न हो रहा है, शास्त्रों के अनुसार यह समय राशि की ११ वज्र कर १५ बिनट के आस-पास सम्पन्न हो रहा है।

यों तो होली की पूरी राशि ही साधकों के लिए स्मृतिमय अवसर है, जब साधक किसी भी प्रकार की तांत्रिक साधना सम्पन्न कर सकता है। तांत्रिक ग्रंथों में बताया गया है, कि यदि कोई साधना वर्ष के अन्य दिनों में सम्पन्न न हो रही हो तो उसे चाहिए कि होली की राशि को यह साधना सम्पन्न कर दे।

छाया पुरुष साधना

जीवन की दुर्लभ और महत्वपूर्ण साधनाओं में छाया पुरुष साधना भी है, इस साधना की सम्पन्न करने पर व्यक्ति को भूतकाल और भविष्यकाल का ज्ञान हो जाता है, साथ ही साथ छाया पुरुष के माध्यम से वह

किसी के भी भूतकाल को स्पष्ट कर सकता है, कि उसने अब तक के जीवन में क्या क्या कार्य किये हैं, किस प्रकार का जीवन जीया है और उसके जीवन के ये कौनसे गोपनीय तथ्य हैं, जो अभी तक प्रकाश में नहीं आ सके हैं।

यह साधना "कलं विनाशिनी साधना" के समान है, जिसे सिद्ध करने पर व्यक्ति को 'छाया पुरुष सिद्धि' प्राप्ति हो जाती है, और वह किसी भी व्यक्ति को देखते ही उसका भूतकाल ज्यों का त्यों उसके सामने स्पष्ट कर देता है, यहां तक कि उसके जीवन की छोटी से छोटी और गोपनीय से गोपनीय घटना भी स्पष्ट करने में वह समर्थ होगा है।

नाम

इसी भी वह कर पाएगा वह है कि यह साधना, जो कि साधक को भूतकाल और भविष्यकाल का ज्ञान देने में समर्थ है, साधकता है, इसे होली की राशि को पूर्ण करने की,

घोर पूरुता के साथ साधक सम्पन्न हो जाये।

होमी की रात की साधक लगभग १० घंटे श्वात कर काली शोड़ी पहिन कर काले आसन पर दक्षिण दिशा की घोर मुंह कर बैठ जाय और अपने सामने कामे तिलो की रेती जमीन पर बना ले और फिर उस पर "छाया पुरुष मंत्र" को स्थापित कर दे, यह मंत्र एक विशेष प्रकार के निर्मित होता है, और साधक के लिए जीवन भर उपयोगी बना रहता है।

फिर सिन्दूर में दस छाया पुरुष मंत्र पर ६ विविध सन्तानें और प्रत्येक दिग्दी लगाने समय "छाया पुरुषात् सिद्धिं ययः" मन्त्र का उच्चारण करें। इसके पश्चात् इसके सामने एक तेल का दीपक लगा दें, और मन्त्र "छाया पुरुष माता" के संकल्प लेकर इत्यादि माता मंत्र जप करें।

संकल्प में साधक अपने चाहिये हाथ में जल लेकर कहे कि मैं आज होमी की राति की समुक्त दीपक धनुक पिता का पुत्र इमृष नाम का साधक पुत्र माता से छाया पुरुष विधि द्वारा करने के लिए यह प्रयोग सम्पन्न कर रहा हूँ जिससे मुझे सिद्धि प्राप्त हो और जिसके माध्यम से मैं किसी भी पुरुष या स्त्री को देखते ही उसके संपूर्ण भूतकाल की प्रामाणिकता के साथ जान सकूँ— ऐसा कह कर वह हाथ में लिया हुआ जल जमीन पर छोड़ दें।

इसके बाद अपने सजाट पर सिन्दूर का लिपक कर और सानने ओ तेल का दीपक लगाया हुआ है, उसमें से थोड़ा तेल हाथ में लेकर अपने पैरों के दोनों तलवों पर लगा दें और वही पर बैठें बैठें स्वच्छ पानी से हाथ धो लें।

इसके बाद हाथ जोड़ कर छाया पुरुष मंत्र के सामने ध्यान करें।

ध्यान

ॐ कालपुरुषाय नमः। छाया पुरुष इष्टाय

प्रत्यक्ष दर्शय दर्शय गोचर घनोचर भूत भविष्य आगत धर्मानल सिद्धि वै ययः।

उपरोक्त ध्यान का तीन बार उच्चारण करे और इसके बाद पुनः जल, तेल के दीपक में से थोड़ा सा तेल ले कर दोनों तलवों पर लगा दें।

इसके बाद छाया पुरुष माता से निम्न मंत्र का जप सम्पन्न करें। इसमें राति की ५१ माता मंत्र जप करने का विधान है, जिससे कि पूर्ण सिद्धि प्राप्त हो जाती है।

छाया पुरुष मंत्र

कली छाया पुरुषायं फट्।

यह मंत्र छोटा सा होते हुए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण और शीघ्र सिद्धिदायक है, और ज्ञाना से ज्ञाना साधक एक या दो घण्टे में यह मंत्र जप सम्पन्न कर लेता है।

दूसरे दिन साधक प्रातः काल जल्दी उठ कर वह छाया पुरुष मंत्र और छाया पुरुष माता जहां तीन रास्ते बनते हों, ऐसे स्थान पर वह मंत्र और माता रख दें और बाधित मुड़ कर घेर आ जाय, पर वह कार्य राति की हो सम्पन्न हो जाना चाहिए। तिराहे अर्थात् जहां तीन रास्ते मिलते हों ऐसे स्थान पर मंत्र और माता रखने के बाद जोड़ते समय तालिम मुड़ कर नहीं देने, और घेर आ कर स्नात कर ले।

ऐसा करने पर उसे छाया पुरुष सिद्धि प्राप्त हो जाती है और वह हर किसी की भी देखता है और उपरोक्त मन्त्र का तीन बार उच्चारण करता है, तो उसके भूतकाल का एक एक जल उसके कानों में छाया पुरुष कह देता है।

इस साधना में किसी प्रकार का दोष भय नहीं है, यह मोक्षदायक है, इसे पुरुष या स्त्री कोई भी सम्पन्न कर सकता है।

